

शिक्षा निदेशालयके गेटपर विरोध-प्रदर्शन करते अभ्यर्थी एवं मौजूद पुलिस।

शिक्षा निदेशालयमें छात्रोंका हंगामा, बैरिकेडिंग-कुर्सियां तोड़ी, पुलिससे धक्का-मुक्की

'पुरानी नियमावली बहाल करो, एक अवसर दो' के लगे नारे, प्रशासनने किया छलावा, अब बर्दाश्त नहीं करेंगे अभ्यर्थी, आरपारकी लड़ाईका ऐलान

टीजीटी-पीजीटी भर्ती के लिए धरने पर बैठे छात्रों का गुस्सा मंगलवार दोपहर फूट पड़ा। हंगामा करते हुए चार लेयर की बैरिकेडिंग को तोड़ते हुए शिक्षा निदेशालय में घुस गए। विभागों में ताला लगाने का प्रयास किया। कई कुर्सियां तोड़ डालीं और कारिडोर में घुसकर नारेबाजी की। इसके बाद परिसर में ही धरने पर बैठ गये। छात्र सोमवार से निदेशालय के सामने धरने पर बैठे थे। अधिकारियों और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने 'पुरानी नियमावली बहाल करो' और 'एक अवसर दो' जैसे नारे लगाए। चेतावनी देते हुए छात्रों ने कहा- जब तक मांगों पर ठोस और लिखित निणय्य नहीं आता, धरना समाप्त नहीं किया जाएगा।टीजीटी-पीजीटी भर्ती में पुरानी नियमावली के अनुसार एक अवसर दिए जाने की मांग को लेकर अभ्यर्थियों का आंदोलन लगातार दूसरे दिन भी जारी रहा। छात्र शिक्षा निदेशालय के सामने धरने पर बैठे रहे, लेकिन उनका आरोप है कि २४ घंटे से अधिक समय बीत जाने के बावजूद उनकी मांगों पर बातचीत करने के लिए कोई अधिकारी नहीं पहुंचा। प्रशासन की ओर से भी कोई प्रतिनिधि वार्ता के लिए नहीं आया। इससे पूर्व सुबह छात्रों ने शिक्षा निदेशालय के अंदर जाने का प्रयास किया लेकिन सुरक्षा कर्मियों ने उन्हें रोक दिया। दोपहर तक मामला गर्म हो गया। छात्रों की संख्या बढ़ी और साथ ही उनका आक्रोश भी बढ़ गया। वह गेट पर लगी बैरिकेडिंग तोड़कर और उसे हटाते हुए अंदर प्रवेश कर गये। पुलिस से धक्कामुक्की करते हुए अंदर जाने के बाद हंगामा और बढ़ गया। कार्यालय में रखी कुर्सियों पर अपना गुस्सा उतार दिया। इस दौरान फिर अंदर ही धरने पर बैठकर नारेबाजी शुरू कर दी। शाम तक ऐसा ही माहौल बना रहा पर कोई भी अधिकारी उनके सार्ता के लिए पहुंचा। इससे पहले टीजीटी-पीजीटी अभ्यर्थियों ने नई भर्ती नियमावली के विरोध और पुरानी नियमावली बहाल करने की मांग को लेकर बीते पांच से २३ सितंबर २०२६ तक पत्थर गिरजाघर पर धरना दिया। १९ दिन चले आमरण अनशन को जिला प्रशासन ने आश्वासन देकर जूस पिलाकर समाप्त कराया था। अभ्यर्थियों ने कहा कि प्रशासन का यह छलावा अब बर्दाश्त नहीं करेंगे। इस बार आरपार की लड़ाई होगी।

खुले आसमानके नीचे बितायी रात

आंदोलनरत अभ्यर्थियों ने पूरी रात खुले आसमान के नीचे बिताई। जिन युवाओं को पुस्तकालय में बैठकर अपने भविष्य की तैयारी करनी चाहिए, वह सड़क पर बैठकर अपने अधिकारों और भविष्य की लड़ाई लड़ने को मजबूर हैं।

आंदोलन का नेतृत्व कर रहे आशुतोष पांडेय ने कहा कि २४ घंटे से अधिक समय बीत जाने के बावजूद किसी ने भी छात्रों की मांगों को सुनने और उनका समाधान निकालने की पहल नहीं की है। अभ्यर्थी शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांग उठा रहे हैं, लेकिन प्रशासन की ओर से संवाद का कोई प्रयास नहीं किया गया।

उन्होंने कहा कि टीजीटी-पीजीटी अभ्यर्थी पुरानी नियमावली के अनुसार एक अवसर दिए जाने की मांग कर रहे हैं। मुख्यमंत्री की ओर से किए गए आश्वासन को पूरा करने की अपेक्षा के साथ छात्र लगातार संघर्ष कर रहे हैं। ऐसे में उनकी मांगों की अनदेखी उनके भविष्य को लेकर उनकी चिंता और बढ़ा रही है।

सीओपी के लिए छह माहकी ला ट्रेनी अनिवार्य, एक नवंबरसे लागू होगा नियम

बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश ने नए अधिवक्ताओं के लिए सर्टिफिकेट ऑफ प्रैक्टिस (सीओपी) जारी करने के नियमों में बदलाव किया है। इसके तहत पंजीकरण कराने वाले प्रत्येक अभ्यर्थी को पंजीकरण की तिथि से छह माह तक किसी अनुभवी अधिवक्ता के साथ लॉ ट्रेनी के रूप में कार्य करना अनिवार्य होगा। यह नियम एक नवंबर २०२६ से लागू होगा। बार काउंसिल के सचिव आर.के. शुक्ला ने बताया कि बार काउंसिल की १० अक्टूबर को हुई सामान्य बैठक में यह निर्णय लिया गया। पारित प्रस्ताव के अनुसार लॉ ट्रेनी के रूप में कार्य करने वाले अभ्यर्थी को ऐसे अधिवक्ता से प्रमाण पत्र लेना होगा, जिसकी वकालत का अनुभव कम से कम १० वर्ष हो और जिसके पास सीओपी हो। वरिष्ठ अधिवक्ता को अपने लेटरहेड पर प्रमाण पत्र जारी करना होगा। इस प्रमाण पत्र को बार काउंसिल के किसी सदस्य से सत्यापित कराकर सीओपी के आवेदन के साथ अपलोड करना होगा। प्रमाण पत्र के अभाव में सीओपी जारी नहीं किया जाएगा। सचिव ने बताया कि बार काउंसिल के प्रस्ताव में यह भी तय किया गया है कि १० वर्ष या उससे अधिक अनुभव वाला कोई भी अधिवक्ता एक वर्ष में अधिकतम दो अभ्यर्थियों को ही यह प्रमाण पत्र जारी कर सकेगा।

इससे अधिक प्रमाण पत्र जारी करने पर संबंधित अधिवक्ता के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि बार काउंसिल ऑफ इंडिया के अनुमोदन की प्रत्याशा में यह नियम लागू करने का निर्णय लिया गया है। हालांकि, एक नवंबर २०२६ से पहले सीओपी के लिए आवेदन कर चुके अभ्यर्थियों पर यह नियम लागू नहीं होगा।

एक वरिष्ठ अधिवक्ता सालमें दो अभ्यर्थियोंको ही दे सकेंगे प्रमाण पत्र

भर्ती नियमोंसे उत्पन्न परिस्थितिके कारण सड़कपर बैठे

आंदोलनरत अभ्यर्थियों का कहना है कि उनका उद्देश्य पढ़ाई और अपना भविष्य बनाना है, लेकिन भर्ती नियमों को लेकर उत्पन्न परिस्थितियों ने उन्हें सड़क पर बैठकर आंदोलन करने के लिए मजबूर कर दिया है।

अभ्यर्थियों की मांग है कि प्रशासन तत्काल वार्ता की पहल करे और पुरानी नियमावली के अनुसार एक अवसर दिए जाने के मुद्दे पर ठोस निर्णय लिया जाए। छात्रों ने स्पष्ट किया कि जब तक उनकी मांगों पर सुनवाई नहीं होती, उनका आंदोलन जारी रहेगा। एक ओर युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करनी चाहिए, दूसरी ओर वही युवा अपने भविष्य की मांग लेकर सड़क पर रात गुजार रहे हैं। सवाल यह है कि आखिर इन अभ्यर्थियों की बात कब सुनी जाएगी।



१५ नवम्बर तक पोर्टल पर विवरण अपलोड करें शिक्षक एवं शिक्षणेत्तरकर्मी

यूपी बोर्ड परीक्षा २०२७ : सचिवने जारी किये निर्देश

माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा वर्ष २०२७ की हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट परीक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण विज्ञप्ति जारी की गई है. परीक्षा में प्रयोगात्मक परीक्षा व मूल्यांकन कार्य हेतु परीक्षकों की नियुक्ति, कक्ष निरीक्षण और अन्य दायित्वों के निर्वहन के लिए शिक्षकों और शिक्षणेत्तर कर्मियों के कंप्यूटरीकृत पहचान पत्र विकसित किए जाने हैं। इसके लिए प्रदेश के समस्त माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों, प्रधानाचर्यओं एवं शिक्षणेत्तर कर्मियों का डेटा परिषद के पोर्टल पर अपलोड या अपडेट कराया जाना अनिवार्य किया गया है. परिषद के सचिव भगवती सिंह द्वारा जारी निर्देश के अनुसार, सभी प्रधानाचार्य यह सुनिश्चित करेंगे कि उनके विद्यालय के सभी कर्मियों का अद्यतन विवरण १५ नवंबर तक परिषद की वेबसाइट upmsp.edu.in पर विद्यालय लॉगिन के माध्यम से अपलोड कर दिया जाए। परिषद् ने निर्देश दिया है कि पोर्टल पर अपलोड किए जाने वाले विवरणों की पूर्ण सतर्कता और गहनता से जाँच कर ली जाए। शिक्षकों का नाम, पदनाम, जन्मतिथि, नियुक्ति तिथि, मोबाइल नंबर, शैक्षणिक अर्हता और हाईस्कूल अथवा इण्टरमीडिएट में जिस विषय के अध्यापन के लिए नियुक्ति की गई है, उस विषय का नाम एवं कोड की सावधानीपूर्वक पुष्टि करने को कहा गया है। यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी शिक्षक का विवरण एक से अधिक विद्यालयों से अग्रसारित न होने पाए। यदि प्रधानाचार्यों की लापरवाही के कारण पोर्टल पर त्रुटिपूर्ण या भ्रमक सूचनाओं के आधार पर कोई अनर्ह या अयोग्य शिक्षक परीक्षक नियुक्त होता है, तो इसके लिए संबंधित प्रधानाचार्य उत्तरदायी माने जाएंगे। विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों के विवरणों को अपलोड या अपडेट करने के लिए परिषद की वेबसाइट १५ नवंबर तक क्रियाशील रहेगी और सभी जिला विद्यालय निरीक्षकों को भी निर्देशित किया गया है कि वह अपने माध्यम से इस डेटा का परीक्षण एवं सत्यापन अवश्य करा लें।

गवाही देनेपर युवकको जानसे मारनेकी धमकी

करेली के करेलाबार में आजाद के मामले में गवाही देने से रोकने के लिए एक व्यक्ति को जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित राजीव प्रजापति का आरोप है कि २५ अक्टूबर की शाम २० से २५ लोग उसके घर पहुंचे। फोन करके उसे बाहर बुलाया और गवाही देने पर घर में घुसकर जान से मारने की धमकी दी। करेली पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच कर रही है।

राजीव प्रजापति नेपुलिस को दी तहरीर में बताया कि आरोपितों ने उससे कहा कि यदि वह आजाद के मामले में गवाही नहीं देगा तो उन्हें कोई परेशानी नहीं है। गवाही देने पर उसे घर में घुसकर मारने और घर से उठाकर ले जाने की धमकी दी गई। पीड़ित का कहना है कि किसी तरह अपनी जान बचाकर वह वहां से निकला और घटना की जानकारी दी। पीड़ित ने अर्जुन निषाद, राजन निषाद, प्रीतम निषाद और रामबाबू समेत अन्य लोगों पर एफआईआर दर्ज करायी है।

गजलों और भजनोंकी प्रस्तुतिपर श्रोता मंत्रमुग्ध

नगाड़ा वादन और दुलदुल घोड़ीकी प्रस्तुतिने मोहा मन



उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से आयोजित मेले में मंगलवार को कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। पहले गजलों पर श्रोता झूमे, फिर भजनों की मनमोहक प्रस्तुति ने पूरे पण्डाल को भक्तिरस से सराबोर कर दिया।

कार्यक्रम का आरम्भ मुख्य अतिथि मेजर जनरल धर्मराज राय, केंद्र निदेशक सुदेश शर्मा एवं सलाहकार कल्पना सहाय ने दीप जला कर किया। सांस्कृतिक संध्या की शुरुआत गजल गायक भूपेन्द्र शुक्ला ने 'आपके दिल में क्या है बता दीजिए', 'मुझे तुम नजर से गिरा तो रहे हो', 'मैं इस जहां की लाज', 'इतना जोर से नाची आज', 'राहों पर नजर रखना, होठों पर दुआ रखना' और 'न समझो कि हम पी गए, पीते-पीते' जैसी गजलों की प्रस्तुति देकर समां बांध दिया।इसके बाद डाक्टर आकांक्षा पाल ने भजनों की भावपूर्ण प्रस्तुति से वातावरण को भक्तिमय कर दिया। उन्होंने 'यह विनती रघुबीर गुसाईं', 'यह प्रयाग की धरती, इसकी बात निराली', 'राम जपु, राम जपु', 'श्री राधे-राधे बोल' और 'लहर-लहर में गंगा मइया गाए रे' जैसे भजनों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनकी प्रस्तुति पर पंडाल तालियों से गूंज उठा। लोकसंस्कृति की कड़ी में बबलू यादव ने बिरहा गायन के माध्यम से लोकसंगीत की छटा बिखेरी। वहीं, हरियाणा से आए हरेन्द्र पलवल ने दमदार नगाड़ा वादन से दर्शकों में उत्साह भर दिया। राजमणि तिवारी की दुलदुल घोड़ी की प्रस्तुति ने भी दर्शकों की खूब वाहवाही बटोरी। कार्यक्रम का संचालन अभिजीत मिश्रा ने किया।

एसटीएफ ने ५० हजार इनामी गैंगस्टर के किया गिरफ्तार

एसटीएफ ने मंगलवार शाम हिन्दू हॉस्टल चौराहे के समीप ५० हजार इनामी गैंगस्टर आसिफ अहमद को गिरफ्तार किया। उसके खिलाफ सिविल लाइंस, कर्नलगंज, घूरपुर, शंकरगढ़ और औद्योगिक क्षेत्र थाने में कुल १४ आपराधिक मामले दर्ज हैं। इसी वर्ष घूरपुर थाने से गैंगस्टर एक्ट के तहत ५० हजार इनाम भी घोषित किया गया था। एसटीएफ निरीक्षक जयप्रकाश राय ने बताया कि घूरपुर के चक घनश्याम नईबाजार करमा निवासी आसिफ अहमद लंबे समय से मारपीट व रंगदारी मांगने आदि अपराधों में सक्रिय रहा है। गैंगस्टर लगने के बाद वह फरार चल रहा था। मंगलवार की शाम करीब पौने सात बजे मुखबिर की सूचना पर आसिफ अहमद को हिन्दू हास्टल चौराहे के समीप गिरफ्तार का कौंधियारा थाने को सौंप दिया गया। उन्होंने बताया कि गैंगस्टर की विवेचना कौंधियारा थाना पुलिस कर रही है।

टीजीटी के १७,७३५ पदोंमें आरक्षणको लेकर दुष्प्रचार पूरी तरह निराधार

सोशल मीडियापर चल रहे भ्रामक प्रचारसे सचेत रहें अभ्यर्थी-आयोग अध्यक्ष

उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग की ओर से अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में सहायक अध्यापक (प्रशिक्षित स्नातक टीजीटी) के १७,७३५ पदों पर निकाली गई भर्ती के संबंध में सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही अफवाहों और भ्रामक दुष्प्रचार का आयोग ने कड़ा संज्ञान लिया है। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग के अध्यक्ष डा. प्रशांत कुमार ने स्पष्ट किया है कि विज्ञापित पदों पर आरक्षण व्यवस्था शासन के स्थापित नियमों और विहित व्यवस्था के अनुरूप पूर्णतः पारदर्शी तरीके से लागू की गई है। कतिपय अवांछित तत्वों एवं संस्थाओं द्वारा सोशल मीडिया एवं विभिन्न मंचों पर आरक्षण को लेकर किया जा रहा दुष्प्रचार तथ्यहीन और भ्रामक है। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय द्वारा प्रदेश के जनपदों में संचालित विभिन्न अशासकीय सहायता प्राप्त विद्यालयों से विद्यालयवार, विषयवार तथा श्रेणीवार-आरक्षणवार रिक्त पदों को चिन्हित एवं संकलित कराकर आयोग को अधियाचन उपलब्ध कराया गया था। उत्तर प्रदेश में अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालय 'एकल इकाई' के रूप में मान्य हैं और संबंधित विद्यालय का प्रबंध तंत्र ही नियुक्ति प्राधिकारी होता है। इसलिए विद्यालय के एकल इकाई होने के कारण प्रत्येक विद्यालय में स्वीकृत पदों की संख्या के आधार पर ही आरक्षण के प्रचलित नियमों के तहत विद्यालयवार पदों का श्रेणीवार निर्धारण किया जाता है। यह आरक्षण पूरे प्रदेश या निदेशालय स्तर पर कुल पदों की समेकित संख्या पर लागू नहीं होता है। इसी नियमावली एवं वैधानिक व्यवस्था के तहत पूर्व में भी विज्ञापन संख्या- ०१/२०२२ तथा ०२/२०२२ की भर्ती प्रक्रिया विगत माहों में आयोग द्वारा शासन की मंशानुरूप पूर्ण शुचिता, निष्पक्षता और विहित प्राविधानों के अंतर्गत संपन्न कराई गई है। अध्यक्ष ने बताया कि इस संबंध में शासन द्वारा भी अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल 'E-Gyan Ganga-U.P.' पर तथ्यात्मक वस्तुस्थिति स्पष्ट कर दी गई है। उन्होंने प्रदेश भर के शिक्षक अभ्यर्थियों एवं सर्वसाधारण से अपील की है कि वे सोशल मीडिया अथवा किसी भी अनधिकृत स्रोत से प्रसारित की जा रही भ्रामक सूचनाओं और अफवाहों पर तनिक भी विश्वास न करें और न ही ऐसी निराधार पोस्ट को आगे साझा/अग्रसारित करें। भर्ती प्रक्रिया से जुड़ी किसी भी अधिकृत एवं प्रामाणिक जानकारी के लिए केवल आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर ही भरोसा करें।

जार्जटाउनमें घरमें घुसकर मारपीट, फायरिंग

जार्जटाउन में थाना क्षेत्र के सोहबतियाबाग में घर में घुसकर मारपीट करने और तमंचे से गोली चलाने का मामला सामने आया है। रजनी सिंह का आरोप है कि एक अक्टूबर की सुबह विद्याकांत सिंह, विकास सिंह, महेंद्र सिंह, दिलीप सिंह समेत चार-पांच लोग उनके घर में घुस आए। गाली-गलौज का विरोध करने पर आरोपितों ने उनके पति मोतीलाल सिंह, बेटों और परिवार की महिलाओं के साथ मारपीट शुरू कर दी।

आरोप है कि इस दौरान विद्याकांत सिंह ने कहा कि हाथ-पैर से क्यों मार रहे हो, गोली मारकर मोतीलाल का काम तमाम कर दो। इसके बाद विकास सिंह तमंचा निकालकर मोतीलाल सिंह पर फायर करने लगा। जान बचाने के लिए मोतीलाल ने उसका हाथ पकड़कर ऊपर की ओर कर दिया। इससे गोली हवा में चली गई और उनकी जान बच गई।

रजनी सिंह का आरोप है कि विकास दोबारा तमंचा लोड करने लगा तो उनके बेटे और बहुएं आरोपितों को पकड़ने के लिए दौड़े।

इस पर सभी आरोपित पकड़े जाने के डर से भाग निकले। पीड़िता ने पति और बेटों की हत्या किए जाने की आशंका जताते हुए परिवार की सुरक्षा की गुहार लगाई है। जार्जटाउन पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच कर रही है।

श्रद्धा-भक्ति एवं उत्साहके साथ मना श्री गुरु रामदासका प्रकाश पर्व



श्री अखंड पाठ साहिबकी संपूर्णतापर सजा गुरबाणी कीर्तन, संगतने छका गुरुका अटूट लंगर

सिख धर्म के चौथे गुरु, धन-धन श्री गुरु रामदास जी महाराज का पावन प्रकाश पर्व मंगलवार को गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा खुल्दाबाद में श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में संगत ने गुरुद्वारा साहिब पहुंचकर गुरु साहिब के चरणों में शीश नवाया तथा गुरबाणी कीर्तन का श्रवण कर आध्यात्मिक आनंद प्राप्त किया। प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में २५ अक्तूबर को श्री अखंड पाठ साहिब आरंभ किया गया था, जिसकी संपूर्णता आज प्रातः श्रद्धापूर्वक संपन्न हुई। इसके उपरांत गुरुद्वारा साहिब में विशेष धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। गुरबाणी की मधुर स्वर-लहरियों और गुरु साहिब के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। संगत ने परिवारों, समाज तथा समस्त मानवता की सुख-शांति, समृद्धि और कल्याण के लिए अरदास की। इस मौके पर भाई नवजोत सिंह, हजूरी रागी, श्री गुरु सिंह सभा तथा भाई वाहींदर पाल सिंह प्रचारक शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी, श्री अमृतसर साहिब ने गुरबाणी कीर्तन एवं धार्मिक विचारों के माध्यम से संगत को निहाल किया। वहीं, बीबी डा. बलदीप कौर की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा को और बढ़ाया। गुरबाणी कीर्तन एवं गुरु इतिहास के माध्यम से संगत को सिख धर्म की महान परंपराओं, आध्यात्मिक मूल्यों तथा गुरु साहिब की शिक्षाओं से जुड़ने का अवसर प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के दौरान गुरु का अटूट लंगर भी श्रद्धापूर्वक वितरित किया गया, जिसमें सभी संगत ने एक साथ बैठकर लंगर छका। गुरु का लंगर सिख धर्म की समानता, सेवा, विनम्रता और भाईचारे की भावना का प्रतीक है, जहां जाति, धर्म, वर्ग अथवा सामाजिक स्थिति का कोई भेदभाव नहीं होता। लंगर की सेवा के माध्यम से निःस्वार्थ सेवा और मानवता के प्रति समर्पण का संदेश दिया गया। श्री गुरु सिंह सभा खुल्दाबाद के अध्यक्ष हरजिंदर सिंह ने प्रबंधक कमेटी की ओर से प्रकाश पर्व के मौके पर गुरुद्वारा साहिब पहुंचकर कार्यक्रम में सहभागिता करने वाली समस्त संगत, सहयोगियों एवं सेवाकर्मियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि संगत के सहयोग, श्रद्धा और सेवा-भाव से ही ऐसे धार्मिक आयोजन सफल होते हैं। उन्होंने सभी से गुरु साहिब की शिक्षाओं को अपने जीवन में अपनाने, समाज में आपसी सद्भाव बनाए रखने तथा जरूरतमंदों की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहने का आह्वान किया।

कैंटमें फंदेसे लटका मिला प्रतियोगी छात्राका शव

कैंट थाना क्षेत्र के बेली कॉलोनी में मंगलवार को पैरामेडिकल की छात्रा प्रिया पाल का शव किराये के कमरे मे फंदे से लटका मिला। वह अपने छोटे भाई के साथ रहती थी। घटना के समय उसका भाई बाहर गया था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस को घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। कैंट पुलिस मामले की जांच कर रही है।

प्रतापगढ़ के सगरा सुंदरपुर की रहने वाली २५ वर्षीय प्रिया पाल पिछले काफी समय से अपने छोटे भाई अनुज के साथ बेली कॉलोनी स्थित किराये के मकान में रहती थी। वह प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के साथ ही बेली अस्पताल के नेत्र विभाग में ट्रेनिंग कर रही थी। उसके पिता अमरनाथ पाल मुंबई में नौकरी करते हैं। बेली कॉलोनी में जिस मकान में वह भाई के साथ रहती थी, उसके पास ही उसकी बुआ गीता पाल का भी घर है। मंगलवार सुबह करीब १०:३० बजे अनुज कूड़ा फेंकने के लिए बाहर गया था। थोड़ी देर बाद वापस लौटा तो प्रिया कमरे में पंखे के सहारे फंदे से लटकी मिली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना की जानकारी मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे। पोस्टमार्टम हाउस में मां का रो-रोकर बुरा हाल था, जबकि छोटा भाई अनुज बदहवास था। पुलिस ने मृतका का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है मृतका के परिजनों के मुताबिक प्रिया पिछले काफी समय से बीमार चल रही थी और उसका इलाज भी चल रहा था। आर्थिक परेशानियों के चलते निजी मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस में दाखिला नहीं मिल पाने से भी वह अक्सर तनाव में रहती थी। उधर, कैंट थाना प्रभारी अमरनाथ राय ने बताया कि पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

प्रतापगढ़ जनपदकी रहने वाली थी प्रिया, नहीं मिला सुसाइड नोट

लाखों रुपये हेराफेरीके आरोपमें तीन चौकी प्रभारी निलंबित

एनडीपीसी और आर्म्स एक्ट के तहत मध्य प्रदेश के रीवा के दो युवकों को गिरफ्तार कर बरामद लाखों रुपये की हेराफेरी के मामले में नैनी थाने से जुड़े तीन चौकी प्रभारियों को निलंबित कर दिया गया है। आरोप है कि गिरफ्तारी के दौरान ६.५५ लाख रुपये मिले थे, जबकि पुलिस ने ८७.५ हजार रुपये ही बरामदगी दर्ज किया। न्यायालय के आदेश और सोशल मीडिया पर ऑडियो क्लिप वायरल होने पर तीनों उपनिरीक्षक को निलंबित कर विभागीय जांच शुरू की गई है। नैनी संवाददाता के मुताबिक नैनी पुलिस ने रीवा के विपिन कुमार पाठक और आकाश सिंह को गिरफ्तार कर ४० पुड़िया स्मैक, साढ़े ८७ हजार रुपये नकदी, तमंचा, पिस्टल, कारतूस और मोबाइल मिलने का दावा किया था। बीते १५ अक्तूबर को कोर्ट में पेशी के दौरान आरोपित पक्ष ने पुलिस पर रुपये की बरामदगी में हेरफेर करने का आरोप लगाया।

आरोपी पक्ष ने बताया कि उनके पास ६.५५ लाख रुपये थे, लेकिन पुलिस ने लिखापढ़ी में सिर्फ साढ़े ८७ हजार रुपये ही दिखाया। अपर सत्र न्यायाधीश एवं विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस एक्ट रजनीश कुमार मिश्र की अदालत ने रिमांड अर्जी खारिज करते हुए आरोपियों की शिकायतों की जांच कराने का निर्देश दिया था। इधर, सोशल मीडिया पर इस मामले से जुड़े तीन ऑडियो वायरल हो रहे हैं। इसमें कथित तौर पर गिरफ्तार युवकों से बातचीत एक बिचौलिए और उसके गांव के व्यक्ति से हो रही थी। बातचीत में दरोगा से मिलने, मुकदमे में दर्ज रकम को कोर्ट से रिलीज कराने और बाकी पैसे वापस मिलने का जिक्र होने का दावा किया गया। हालांकि पुलिस वायरल आडियो की जांच कर रही है। डीसीपी यमुनानगर विवेक चंद्र यादव ने बताया कि अरैल चौकी प्रभारी विक्की गुप्ता, कांशीराम चौकी प्रभारी रामानंद विश्वकर्मा और जिला कारागार चौकी प्रभारी नीलेश कुमार को निलंबित कर एसीपी करछना को जांच का निर्देश दिया गया है।

युवकोंकी गिरफ्तारीमें मिले ६.५५ लाख, ८७.५ हजार बरामदगी दिखानेका आरोप, वायरल हुए थे आडियो

निजी तस्वीरें वायरल करनेकी धमकी देकर युवतीको किया ब्लैकमेल

धूमनगंज क्षेत्र की रहने वाली एक युवती को निजी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि अनुराग यादव, अभय प्रताप, प्रमोद कुमार और उनके साथियों ने युवती पर दबाव बनाया। विरोध करने और दोस्त से मदद लेने की कोशिश करने पर युवती और उसके दोस्त को तमंचे व बम से जान से मारने की धमकी दी गई। धूमनगंज पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर एफआईआर दर्ज कर लिया गया है साक्ष्यों के आधार पर जांच की जा रही है।

पीड़िता ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया है कि आरोपित निजी तस्वीरें सार्वजनिक करने की धमकी देकर उसे परेशान कर रहे थे। जब उसने इसका विरोध किया और अपने एक दोस्त से मदद लेने की कोशिश की तो आरोपितों ने उसे और उसके दोस्त को निशाना बनाने की धमकी दी। तमंचे और बम से जान से मारने की धमकी मिलने के बाद युवती ने पुलिस से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। पीड़िता के मुताबिक, उसके पास कॉल रिकॉर्डिंग, व्हाट्सएप चैट के स्क्रीनशॉट और ऑडियो समेत अन्य साक्ष्य मौजूद हैं। उसने इन साक्ष्यों के आधार पर आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। धूमनगंज थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

विरोध करनेपर तमंचा एवं बमसे जानसे मारनेकी धमकी, तीन नामजद

गेहूं-चावलने मोटे अनाजोंको खेतोंसे हटाया-राजमणि कोल

जनपद स्तरीय रवी गोष्ठीमें मिलेट्स महोत्सव एवं कृषि सूचना तंत्रपर फोकस



किसानों को मोटे अनाज की खेती एवं कृषि योजनाओं की जानकारी देने के लिए मंगलवार को जनपद स्तरीय रवी गोष्ठी हुई। जिसमें मिलेट्स महोत्सव एवं कृषि सूचना तंत्र के सुदढ़ीकरण एवं कृषक जागरूकता पर जोर दिया गया। जिला पंचायत सभागार में आयोजित कार्यक्रम में कोरांव विधायक राजमणि कोल ने कहा कि जब गेहूं, चावल की खेती नहीं होती थी तो प्रचुर मात्रा में मोटे अनाज का उत्पादन होता था, परन्तु गेहूं एवं चावल ने मोटे अनाजों को खेतों से हटाकर उनका स्थान ले लिया है। एमएलसी सुरेन्द्र चौधरी ने कृषकों को किसान क्रेडिट कार्ड लेने के लिए प्रोत्साहित किया। कृषि वैज्ञानिक मनीष कुमार कहा कि उत्तम आहार एवं व्यवहार के साथ अन्न को सही से ग्रहण किया तो औषधि वरना यह जहर का रूप ले लेता है। मिलेट्स शब्द नया नहीं है, इसकी खेती सदियों से की जाती रही है। मिलेट्स में पोषक तत्वों की अधिकता होती है जिसे हम मोटा अनाज समझकर खेत से एवं थाली से अलग कर रहे हैं। मेजर मिलेटस में ज्वार, बाजरा, रागी आदि आते हैं। जबकि माइनर मिलेट्स में कोदो, कंगनी, कुटकी आदि आते हैं। वर्तमान में मिलेट्स के कुल क्षेत्रफल में ६१प्रतिशत बाजरा, २९ प्रतिशत ज्वार, १० प्रतिशत रागी एवं १ प्रतिशत क्षेत्रफल में अन्य मिलेट्स उत्पादित होते हैं। सुरेश कुमार दूबे ने बताया कि जनपद में २३ बीज भण्डार एवं २३ कृषि रक्षा इकाइयां हैं जिनमें ४० से ५० प्रतिशत की दर से बीज एवं कृषि रक्षा रासायन उपलब्ध कराये जाते हैं जिसके लिए कृषकों को यूपी.एग्रीदर्शन.जीओवी.इन में पंजीकृत होना आवश्यक है। बीज प्राप्त करने के लिए बीजों की बुकिंग पोर्टल के माध्यम से की जाती है एवं कृषकों का चयन ई-लॉटरी प्रक्रिया से होता है। उप कृषि निदेशक पवन कुमार विश्वकर्मा ने कहा कि मिलेट्स के बीज के लिए कृषि विभाग से सम्पर्क किया जा सकता है। डा.योगेश श्रीवास्तव ने मिट्टी में पाये जाने वाले पोषक तत्वों की जानकारी दी। खेती में खाद का अनुपात एवं मिलेट्स से मानव शरीर को मिलने वाले पोषक तत्वों के बारे में चर्चा की। किसानों को फार्म मशीनरी बैंक की चाबी एवं कम्बाइन हार्वेस्टर विथ सुपर सीडर की चाबी एवं मृदा स्वास्थ्य कार्ड, सोलर ट्रैप, सरसों मिनीकिट आदि दिया गया। मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह, उप कृषि निदेशक (कृषि रक्षा) शिप्रा आदि रहे। संचालन प्रीति त्रिपाठी एवं आभार सहायक निदेशक मृदा परीक्षण ने आभार जताया।

मकानसे तीन लाख कीमतके अवैध पटाखे बरामद

दीपावली के बाद भी शहर में अवैध रूप से पटाखों का भंडारण किया जा रहा है। कर्नलगंज पुलिस ने मंगलवार को मास्टर जहरूल हसन रोड स्थित एक मकान से करीब पांच क्विंटल अवैध विस्फोटक पटाखे बरामद किए। २११ पैकेट में रखे इन पटाखों की अनुमानित कीमत तीन लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस एफआईआर दर्ज कमाल अहमद की तलाश शुरू कर दी है। कर्नलगंज थाना प्रभारी ज्ञानेश्वर मिश्रा ने बताया कि मंगलवार को सूचना मिली कि क्षेत्र की १४ नंबर गली स्थित एक मकान से अवैध पटाखे भंडारित किए गए हैं। टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की। तलाशी के दौरान मकान से २११ पैकेट पटाखे बरामद हुए। इनका कुल वजन करीब पांच क्विंटल था। जांच में पता चला कि बरामद पटाखों का स्वामी कमाल अहमद है।